|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा | माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

एकदन्त दयावन्त, चारभुजाधारी | माथे पर तिलक सोहे, मूसे की सवारी ||

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा | माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

पान चढ़े फूल चढ़े, और चढ़े मेवा | लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ||

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा | माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया | बांझ को पुत्र देत, निर्धन को माया ||

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा | माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ||

“सूर" श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा | जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा |

दीनन की लाज रखो, शंभु सुतकारी । कामना को पूर्ण करो, जाऊँ बलिहारी ||

vedpuranpdf.com